Toppersnotes®
Unleash the topper in you

UP–TET

शिक्षक पात्रता परीक्षा

Uttar Pradesh Basic Education Board (UPBEB)

भाग - 2 (अ)

प्राथमिक स्तर

सामान्य हिन्दी एवं अंग्रेजी

SIERRA INNOVATIONS

विषयसूची

S No.	Chapter Title	Page No.
1	वर्ण विचार	1
2	वाक्य रचना	5
3	विराम चिन्ह	9
4	विलोम शब्द	12
5	पर्यायवाची	18
6	संज्ञा	20
7	सर्वनाम	22
8	विशेषण	23
9	क्रिया	24
10	अव्यय– अविकारी शब्द	31
11	वचन	34
12	लिंग	35
13	काल	38
14	उपसर्ग	40
15	प्रत्यय	49
16	देशज शब्द	57
17	तत्सम – तद्भव शब्द	61
18	मुहावरे	63
19	लोकोक्तियाँ	69
20	वाच्य	72
21	संधि	74
22	समास	90
23	अलंकार	96

विषयसूची

S No.	Chapter Title	Page No.
24	हिंदी के प्रसिद्ध कवि एवं उनकी रचनाएँ	100
25	हिन्दी शिक्षण	103
26	हिन्दी शिक्षण विधि	106
27	भाषा–शिक्षण उपागम	114
28	भाषा दक्षता का विकास	116
29	भाषा कौशल	118
30	भाषा–शिक्षण में चुनौतियाँ	121
31	शिक्षण अधिगम सामग्री, पाठ्य पुस्तक, बहुमाध्यम, अन्य संसाधन	122
32	आंकलन	126
33	सतत् एवं समग्र मूल्यांकन	131
34	निदानात्मक और उपचारात्मक शिक्षण	133
35	Noun (संज्ञा)	135
36	Pronoun (सर्वनाम)	141
37	Adjective (विशेषण)	144
38	Adverb (क्रिया विशेषण)	150
39	Verb (क्रिया)	157
40	Preposition (उपसर्ग)	164
41	Conjunction (संयोजक)	181
42	Time and Tense (समय और काल)	187
43	Article (लेख)	191
44	Voice (वाच्य)	195
45	Subject–Verb Agreement (कर्ता क्रिया अनुबंध)	199
46	Unseen Poems	203

विषयसूची

S No.	Chapter Title	Page No.
47	Unseen Prose Passage	211
48	Language Learning and Acquisition	219
49	Principle of Teaching English	221
50	Methods of Learning English Language	227
51	Approach of Teaching English Language	233
52	Teaching Learning Materials	235
53	Challenges of Teaching English	239
54	Role of Grammar in Learning a Language	242
55	Methods of Evaluation	244
56	Remedial Teaching in English Language	248

1 CHAPTER वर्ण विचार

भाषा – परस्पर विचार विनियम को भाषा कहते हैं ।

- भाषा संस्कृत के भाष् शब्द से बना है । भाष् का अर्थ है बोलना।
- भाषा की सार्थक इकाई वाक्य है । वाक्य से छोटी इकाई उपवाक्य, उपवाक्य से छोटी इकाई पदबंध, पदबंध से छोटी इकाई पद (शब्द), पद से छोटी इकाई अक्षर व अक्षर से छोटी इकाई ध्वनि या वर्ण है।
- जैसे – हम शब्द में दो अक्षर (हम) एवं चार वर्ण (ह अ म् अ) है ।

<u>लिपि</u> –किसी भाषा को लिखनें का ढंग लिपि कहलाता है। हिन्दी भाषा की लिपि देवनागरी है । इसकी निम्न विषेशताएँ है ।

(i) यह बाएँ से दायें लिखी जाती है ।
(ii) प्रत्येक वर्ण का एक ही रूप होता है ।
(iii) उच्चारण के अनुरूप लिखी जाती है अर्थात् जैसे बोली जाती है, वैसी लिखी जाती है ।

व्याकरण – जिस शास्त्र में शब्दों के शुद्ध रूप एवं प्रयोग के नियमों का निरूपण होता है, उसे व्याकरण कहते है ।

वर्ण – हिंदी भाषा में वर्ण वह मूल ध्वनि है जिसका विभाजन नहीं हो सकता।

किसी भी भाषा की सबसे छोटी इकाई (ध्वनि) वर्ण कहलाती है।

जैसे :– क्, च्, ट् अ, इ, उ

वर्ण के भेद :– 2 प्रकार है।

(i) स्वर वर्ण (ii) व्यंजन वर्ण

स्वर वर्ण :– स्वतंत्र रूप से बोले जाने वाले वर्ण स्वर कहलाते है। हिन्दी वर्णमाला में कुल ग्यारह (11) स्वर ध्वनियाँ शामिल की गयी है ।

जैसे – अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ

स्वरो का वर्गीकरण :– मुख्यतः 5 आधार पर वर्गीकरण किया गया है।

1. मात्राकाल के आधार पर – 3 प्रकार है ।

(i) ह्रस्व स्वर – वे स्वर जिनके उच्चारण मे कम समय लगता है हस्व स्वर कहलाते है।

जैसे – अ, इ, उ, ऋ (कुल संख्या – 4)

नोट :– (इनको एकमात्रिक स्वर, मूल स्वर भी कहते है)

(ii) दीर्घ स्वर – वे स्वर जिनके उच्चारण मे मुल स्वर से अधिक समय/ दुगुना समय लगता है। वे दीर्घ स्वर कहलाते है। आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ, (कुल संख्या –7)

(iii) प्लुत स्वर – जिनके उच्चारण में तीन मात्राओ का समय लगता है । स्वर के प्लुत रूप को दर्शाने के लिए उनके साथ 3 का चिह्न लगाया जाता है ।

जैसे – अ^3, आ^3, इ^3, ई^3, उ^3, ऊ^3, ए^3, ऐ^3, ओ^3, औ^3,

(2) उच्चारण के आधार पर :– (2 प्रकार है)

(i) अनुनासिक स्वर – स्वर का उच्चारण करने पर वायु मुख व नाक दोनो से बाहर निकलती है ।

नोट – अनुनासिक रूप को दर्शाने के लिए चन्द्रबिंदु का प्रयोग होता है ।

जैसे – अँ आँ इँ ईं उँ ऊँ एँ, ऐं ओं औं

(ii) अननुनासिक/निरनुनासिक स्वर – जब किसी स्वर का उच्चारण करनें पर श्वास वायु केवल मुख से ही बाहर निकलती है । वह अननुनासिक/ निरनुनासिक स्वर कहलाता है।

बिना चन्द्रबिन्दू के अपने मूल रूप में लिखे हुए स्वर अनुनासिक माने जाते है ।

जैसे – अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ए, ए, ऐ, ओ, औ,

(3) जिह्वा के आधार पर – (3 प्रकार है)

(i) अग्र स्वर :– उच्चारण करने पर जीभ के आगे वाले भाग मे सर्वाधिक कम्पन होना ।

जैसे – इ, ई, ए, ऐ

(ii) मध्य स्वर – उच्चारण करने पर जीभ के मध्य भाग में कम्पन – अ

(iii) पश्च स्वर – उच्चारण करने पर जीभ के पिछले भाग में अधिक कम्पन ।

जैसे – आ, उ, ऊ, ओ, औ , ऑ

पहचान :– निम्न सारणी के माध्यम से अग्र, पश्च, मध्यम भाग को जाने

अ – मध्य
इ ई ए ऐ – अग्र
आ उ ऊ ओ औ – पश्च

(4) होठों की गोलाई के आधार पर – 2 प्रकार है ।

(i) वृत्ताकार – उच्चारण करने पर होठों का आकार गोल हो जाना।

जैसे :– उ, ऊ ओ, औ

(ii) अवृत्ताकार – उच्चारण करने पर होठों का आकार गोल न होकर ऊपर–नीचे फैलना।

जैसे – अ, आ, इ, ई ए, ऐ

(5) मुखाकृति के आधार पर – 04 प्रकार है।

(i) संवृत स्वर – उच्चारण करने पर मुँह का कम खुलना। जैसे – इ, ई, उ, ऊ

(ii) अर्द्ध संवृत स्वर – उच्चारण करने पर मुँह का संवृत से थोडा ज्यादा खुलना – ए, ओ

(iii) विवृत – उच्चारण करने पर मुख का सबसे ज्यादा/पूरा खुलना। जैसे – आ

(iv) अर्द्धविवृत – उच्चारण करने पर मुँह का विवृत से थोडा कम खुलना।
जैसे – अ, ऐ, औ, ऑ

व्यंजन वर्ण

स्वर की सहायता से बोले जाने वाले वर्ण व्यंजन कहलाते है।
हिन्दी वर्णमाला में कुल 35 मूल (33 + 2 उत्क्षिप्त) व्यंजन ध्वनियाँ होती है ।
जिनको तीन भागों में बाँटा गया है ।
(i) स्पर्श व्यंजन – (27) (मूल 25 + 2 उत्क्षिप्त)
(ii) अंतः स्थ व्यंजन – (04)
(iii) ऊष्म व्यंजन – (04)

(i) स्पर्श व्यंजन

जब किसी व्यंजन का उच्चारण करने पर श्वास वायु हमारे मुख के किसी अंग को स्पर्श करते मुख से बाहर निकलती है वह स्पर्श व्यंजन कहलाते है ।
स्पर्श व्यंजन को 5 भागों में बाँटा गया है –
(अ) 'क' वर्ग – क् ख् ग् घ् ङ्.
(ब) 'च' वर्ग – च् छ् ज् झ् ञ्
(स) 'ट' वर्ग – ट् ठ् ड् ढ् ण्
(द) 'त' वर्ग – त् थ् द् ध् न्
(य) 'प' वर्ग – प् फ् ब् भ् म्

(ii) अंतः स्थ व्यंजन

जब किसी व्यंजन का उच्चारण करने पर सर्वप्रथम हमारे मुख के अन्दर स्थित स्वर तंत्रियो में कम्पन होता है, व उसके बाद श्वास वायु मुख में बाहर निकलती है तो वह अन्तःस्थ व्यंजन कहलाती है ।
कुल अन्तः स्थ व्यंजन – 4 है ।
जैसे :– य् व् र् ल्

(iii) ऊष्म व्यंजन

जब किसी व्यंजन का उच्चारण करने पर श्वास वायु मुख से बाहर निकलते समय हल्की गर्म हो जाती है, तो वह ऊष्म व्यंजन कहलाता है।
कुल ऊष्म व्यंजन – 4 है।
जैसे – श, स, ष, ह

संयुक्त व्यंजन – इसी श्रेणी मे 4 व्यंजन शामिल किये जाते है ।
क्ष – ष् + अ
त्र – त् + र + अ
ज्ञ – ज् + ञ्+ अ
श्र – श् + र् + अ

व्यंजनों का वर्गीकरण

व्यंजनों का वर्गीकरण – मुख्यतः 2 प्रकार का है ।
(1) उच्चारण स्थान के आधार पर
(2) प्रयत्न के आधार पर

(1) उच्चारण स्थान के आधार पर –

स्वर – युक्त व्यंजन व उनका वर्गीकरण–

(अ) उच्चारण स्थान के आधार पर –

उच्चारण स्थान	नाम ध्वनि	वर्ग	व्यंजन	स्वर
कंठ	कंठ्य	क वर्ग	क ख ग घ ङ ह	अ आ
तलु	तालव्य	च वर्ग	च छ ज झ ञ य श	इ ई
मूर्द्धा	मूर्द्धन्य	ट वर्ग	ट ठ ड ण ड़ ढ़ ष र	ऋ
दाँत	दन्त्य	त वर्ग	त थ द ध न ल स	
ओष्ठ	ओष्ठ्य	प वर्ग	प फ ब भ म	उ ऊ
कंठ व तालु	कंठ्य–तालव्य			ए ऐ
दाँत व ओष्ट	दन्तोष्ठ्य		व	
कंठ व ओष्ठ	कंठोष्ठ्य			ओ औ
नासिक्य			ड़., ञ् ण् न् म्	

2) प्रयत्न के आधार पर व्यंजनों का वर्गीकरण
मुख्यतः 3 भागों में बाँटा गया है –
(i) कंपन के आधार पर
(ii) श्वास वायु के आधार पर
(iii) उच्चारण के आधार पर

(i). कम्पन्न के आधार पर व्यंजन का वर्गीकरण

a) **अघोष :–** वे ध्वनियाँ जिनका उच्चारण करते समय स्वरतंत्रियो में कम्पन्न नहीं होता है अघोष कहलाते है। इसमें वर्ग का पहला,दुसरा वर्ण तथा श, स, ष आते है।

b) **घोष/सघोष :–** वे ध्वनियाँ जिनका उच्चारण करते समय स्वर तंत्रियों मे कम्पन्न होता है घोष/सघोष कहलाते है
इसमे वर्ग का तीसरा, चौथा, पाँचवा वर्ण तथा य. र, ल, व, ह और सभी स्वर आते है।

(ii). श्वास वायु के आधार पर व्यंजन का वर्गीकरण

a) अल्प प्राण :– ऐसे वर्ण जिनका उच्चारण करते समय कम वायु बहार निकलती हो, अल्प प्राण कहलाते हैं।

b) महाप्राण :– ऐसे वर्ण जिनका उच्चारण करते समय अधिक वायु की आवश्यकता होती है, महाप्राण कहलाता है।
इसमे दुसरा, चौथा वर्ण तथा श,स,ब,ह आते है।

(iii).उच्चारण के आधार पर –

इस आधार पर व्यंजन 8 प्रकार के होते है ।

a. स्पर्शी व्यंजन (16) क, ख, ग, घ, ट, ठ, ड, ढ, त, थ, द, ध, प, फ, ब, भ
b. स्पर्श संघर्शी व्यंजन (4) – च, छ, ज, झ
c. संघर्षी व्यंजन (4) – ष, श, स, ह
d. नासिक व्यंजन (5) – ङ, ञ, ण, न, म
e. उत्क्षिप्त व्यंजन (2) – ड, ढ
f. प्रकंपित व्यंजन (1) – र
g. पार्श्विक व्यंजन (1) – ल
h. संघर्षहीन व्यंजन (2) – य, व

परीक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण तथ्य (''वर्ण विचार'' से संबंधित)

- दीर्घ स्वर को संयुक्त स्वर के नाम से भी जाना जाता है क्योंकि दीर्घ स्वरों की रचना प्राय दोनों स्वरों के मिलने से होती है।
- सात दीर्घ स्वरों को भी दो भागों समानाक्षर स्वर, संधि स्वर के रूप में विभाजित किया जाता है।

	समानाक्षर स्वर	**संधि स्वर**
(i)	आ – अ + अ	ए – अ + इ
(ii)	ई – इ + इ	ऐ – अ – ए
(iii)	ऊ – उ + उ	औ – अ + ओ

- प्लुत स्वर वर्गीकरण का सर्वप्रथम साक्ष्य पाणिनि की अष्टाध्यायी रचना में मिलता है।
- हिन्दी वर्णमाला में कुछ व्यंजन शब्दों के नीचे नुक्ता (बिन्दु) का प्रयोग किया जाता है, जिन्हे आगत/गृहीत व्यंजन कहा जाता है।
- आगत व्यंजनों की कुल संख्या 05 होती है।

क़ – क़रीब
ख़ – ख़ाना
ग़ – ग़म
ज़ – ज़रा
फ़ – फ़न, फ़ाइल (अंग्रेजी)

अंग्रेजी से गृहीत स्वर.
ऑ (ɛ́)
जैसे – कॉलेज, डॉक्टर

- हिन्दी भाषा में आगत व्यंजनो का आगमन अरबी/फारसी, अग्रेजी भाषा से हुआ है।
- हिन्दी भाषा में नुक्ता व्यंजन की शुरूआत का श्रेय हिन्दी विद्वान ''विप्रसाद सितारे हिंद'' को जाता है।
- काकल वर्ण के अन्तर्गत, (:) विसर्ग को शामिल किया जाता है।
- वर्त्स वर्णो में न, स, ल को शामिल किया जाता है।
- इसकी कुल संख्या चार होती है।
  (1) जिह्वा (2) अधरोष्ठ (नीचे का होंठ)
  (3) स्वर तंत्रियाँ (4) कोमल तालु
- तालु उच्चारण स्थान में आनें वाले वर्णो को कोमल तालव्य व कठोर तालव्य के रूप में दो भागो में विभाजित किया गया है।
- हिन्दी वर्णमाला में अं (अनुस्वार), अः (विसर्ग) को अयोगवाह वर्ण कहा जाता है। क्योंकि इन वर्णों को न तो स्वरों में जोड़ा जाता है व न ही व्यंजनों में अतः अयोगवाही वर्ण कहलाते है।
- हल् चिह्न (्) व्यंजन के स्वर रहित होनें का परिचायक है । स्वर रहित व्यंजन के साथ हल् का चिह्न लगाया जाता है या फिर खड़ी पाई वाले व्यंजन चिह्नो की खड़ी पाई हटा दी जाती है। उसके अर्द्धरूप का प्रयोग किया जाता है।
  जैसे– विद्‌या, पाठ्‌य, अपराह्‌न, पट्‌टा आदि।

1. नांद या संवार वर्ण – सभी घोष वर्णों को ही कहा जाता है।
2. विवार या श्वास वर्ण – सभी अघोष वर्णों को ही कहा जाता है।
3. स्पृष्ठ वर्ण – सभी स्पर्श व्यंजन वर्णों को ही कहा जाता है।
4. ईशत्स्पृष्ट वर्ण – अन्तस्थ व्यंजन (य,र,ल,व) वर्णों को ही कहा जाता है।
5. ईशद्विवृत वर्ण – उष्म व्यंजन (ष, श, स, ह)
6. रक्त वर्ण –प्रत्येक वर्ग का पाँचवा वर्ण
7. सोष्म व्यंजन वर्ण – प्रत्येक वर्ग का दूसरा व चौथा वर्ण

नोट – हिन्दी वर्णमाला में मूल रूप से 11 स्वर व 33 व्यंजन सहित कुल 44 वर्ण होते है।

हिन्दी वर्णमाला की वर्तमान में अपवादित स्थिति को सारणी के माध्यम से समझें।

स्वर	**व्यंजन**	**कुल**
स्वर 11	व्यंजन 33	44
–	ड़, ढ़ + (2) (उक्षिप्त व्यंजन)	46
–	अं, अः + (2) (अयोगवाह)	48
–	क्ष, त्र, ज्ञ, श्र + (4) संयुक्त व्यंजन	52
	क़ ख़ ग़ ज़ फ़ + 5 गृहीत व्यंजन	57

नोट – सर्वमान्य मत हिन्दी वर्णमाला में कुल 44 वर्ण होते हैं।

उत्क्षिप्त वर्ण

जिन ध्वनियों के उच्चारण में जिह्वा मूर्ध्दा को स्पर्श कर तुरन्त नीचे गिरती है, उन्हे उत्क्षिप्त वर्ण कहते हैं।

जैसे – ड. ढ.

नियम – 1. यदि शब्द की शुरूआत उत्क्षिप्त वर्णों से हो तो लिखते समय इनके नीचे बिंदु नहीं आता है ।

जैसे – डमरू, ढोलक, डलिया, ढक्कन, डाली

नियम – 2. यदि शब्द के अन्तर्गत इनसे पहले आधा वर्ण आता है तो भी लिखते समय इनके नीचे बिंदु नहीं आता है।

जैसे – पण्डित, बुड्ढा, अड्डा, खण्ड, मण्डल आदि ।

- उपर्युक्त दोनों नियमों के अलावा प्रत्येक स्थिति में इनके नीचे बिन्दु आता है।
  जैसे – पढ.ाई, लड.ाई, सड़क, पकड़ना, ढूँढना आदि।

रकार/रेफ या र संबंधित नियम

नियम 1. – यदि र् के बाद व्यंजन वर्ण आए तो र् को उसी व्यंजन वर्ण के उपर लिखते हैं अर्थात् जिस व्यंजन वर्ण से पहले र् का उच्चारण किया जाता है, र को उसी व्यंजन वर्ण के उपर लिखा जाता है।

जैसे – कर्म, धर्म, वर्ण, दर्शक, स्वर्ग, अर्थात्, पुनर्जन्म, पुनर्निमाण, आशीर्वाद।

नियम 2. – यदि र् से पहले व्यंजन वर्ण आए तो र् को उसी व्यंजन वर्ण के मध्यय में लिखा जाता है।

जैसे – प्रकाश, प्रभात, प्रेम, क्रम, भ्रम, भ्रष्ट, भ्राता

2 CHAPTER वाक्य रचना

नियम 1

किसी वाक्य मे दो अधिकरण एक साथ आने पर पहले कालवाची फिर स्थानवाची अधिकरण का प्रयोग किया जाता है।

उदाहरण –

सुमन कॉलेज मे दुपहर मे ही जाती है । (अशुद्ध)

सुमन दुपहर मे ही कॉजेल मे जाती है । (शुद्ध)

चोर महल मे दुपहर मे ही घुस गया । (अशुद्ध)

चोर दुपहर मे ही महल मे घुस गया । (शुद्ध)

नियम 2

यदि वाक्य मे दो कर्म एक साथ आते है तो गोण कर्म सजीव का प्रयोग पहले किया जाता है और प्रधान कर्म निर्जीव का प्रयोग क्रिया के पास में किया जाता है।

उदाहरण –

राजा ने धन भिखारी को दिया। (अशुद्ध)

राजा ने भिखारी को धन दिया। (शुद्ध)

मोहन दूध गाय का दुह रहा हैं। (अशुद्ध)

मोहन गाय का दूध दुह रहा है। (शुद्ध)

नियम 3

यदि किसी वाक्य मे एक से अधिक कारको का प्रयोग किया जाता है तो उनका क्रम निम्नानुसार होता है –

कर्ता, अधिकरण (में), अपादान (से), सम्प्रदाय (के लिए), कारण (से), कर्म (में को)

उदाहरण –

सुधांशु ने हिमांशु के लिए घर की प्रयोगशाला मे छोटा कम्प्यूटर बनाया । (अशुद्ध)

सुधांशु ने घर की प्रयोगशाला मे हिमांशु के लिए छोटा कम्प्यूटर बनाया । (शुद्ध)

मै साइकिल से पढने के लिए घर से विद्यालय में जाता हूँ। (अशुद्ध)

मै विद्यालय मे घर से पढने के लिए साइकिल से जाता हूँ। (शुद्ध)

नियम 4

यदि स्थानवाचक तथा कालवाचक क्रिया विशेषण वाक्य मे एक साथ आ जाता है या फिर एक साथ नही आकर अलग – अलग जगह फिर एक साथ आता है तो इनका प्रयोग कर्ता से पहले या बाद मे कही पर भी किया जा सकता है।

उदाहरण –

आज मै महाविद्यालय नही जाऊँगा । (अशुद्ध)

मै आज महाविद्यालय नही जाऊँगा । (शुद्ध)

मोहन यहाँ अवश्य आयेगा । (अशुद्ध)

यहाँ मोहन अवश्य आयेगा । (शुद्ध)

नियम 5

निषेधात्मक नही शब्द का प्रयोग क्रिया से ठीक पूर्व करना चाहिए।

उदाहरण –

वह मेरा दोस्त नही है ।

वह खाना नही खायेगा ।

नियम 6

ही, तो भर, भी, आदि अव्ययो का प्रयोग जिस शब्द पर जोर देना हो उसी के साथ प्रयोग करना चहिए।

उदाहरण –

हम भी दिल्ली जायेंगे।

हम दिल्ली भी जायेंगे।

मुझे तो जाना है।

मुझे जाना तो है।

तत्सम व तद्भव शब्दों की पहचान

- नियम : अनुनासिका का प्रयोग सदैव तद्भव शब्दों के साथ होता है।

तत्सम	तद्भव
पंच	पाँच
अक्षि	आँख
चन्द्र	चाँद
अंधकार	अँधेरा
वंशी	बॉसुरी
ग्राम	गॉव

- उत्क्षिप्त ड, ढ़ वर्णो का प्रयोग सदैव तद्भव शब्दों के साथ होता है।

तत्सम	तद्भव
वट	बड
मर्कटी	मकडी
शुंड	सूँड
घट	घडा
घटिका	घडी
लोमशा	लोमड़ी

- नियम :– संयुक्त व्यंजन

  क्ष त्र ज्ञ श्र इन संयुक्त व्यंजनो का प्रयोग अधिकतर तत्सम शब्दो के साथ होता हैं ।

तत्सम	तद्भव
अश्रु	आँसू
क्षेत्र	खेत
अक्षत	अच्छत
क्षत्रिय	खत्र

- ''व'' से प्रारम्भ होने वाले शब्द अधिकतर तत्सम होते है और ''ब'' से प्रारम्भ होने वाले शब्द तद्भव होते है।

तत्सम	तद्भव
वसन्त	बसन्त
वधू	बहू / बधू
वाणी	बाणी
वनवास	बनवास
वाटिका	बाटिका
वशिष्ट	बशिष्ठ

- ''थ'' से प्रारम्भ होने वाले शब्द अधिकतर तत्सम होते है और ''ज'' से प्रारम्भ होने वाले शब्द तद्भव होते है।

तत्सम	तद्भव
यज्ञमान/यजमान	जजमान
यशोदा	जशोदा
योग	जोग
यश	जस
यत्न	जतन
यज्ञ	जज्ञ / जग

- स्थ व स्त से प्रारम्भ होने वाले शब्द अधिकांशतः तत्सम होते है और ''थ'' से प्रारम्भ होने वाले तद्भव होते है।

तत्सम	तद्भव
स्थान	थान
स्तन	थन
स्थिर	थिर
स्थल	थल
स्तम्भ	खंबा (खंभा – शुद्ध)

- अधिकांश आधे – अधूरे वर्णो से युक्त षब्दो का प्रयोग तत्सम शब्दो में होता है ।

तत्सम	तद्भव
कर्तरी	कैची
कर्त्तव्य	करतब
प्रकट	प्रगट

- ऋ का प्रयोग अधिकांशतया तत्सम शब्दो के साथ होता है।

तत्सम	तद्भव
गृह	घर
घृत	घी
कृष्ण	कान्ह / किसन
कृषक	किसान

- ''ष'' का प्रयोग अधिकांशतया तत्सम शब्द के साथ प्रयोग होता है और ''स'' का प्रयोग तद्भव शब्दो के साथ होता है।

तत्सम	तद्भव
दशम	दसमी
दश	दस
एकादशी	एकादसी
शिर	सिर

1. अनावश्यक शब्दो के कारण वाक्य अशुद्धि

अशुद्ध – मै प्रातः काल के समय घूमने जाता हूँ ।

शुद्ध – मै प्रातः काल घूमने जाता हूँ ।

अशुद्ध	शुद्ध
जज ने उसे मृत्यु दण्ड की सजा दी।	जज ने उसे मृत्युदण्ड दिया।
मोहन बहुत सज्जन पुरुश है।	मोहन बहुत सज्जन है।
मै रविवार के दिन घूमने जाता हूँ।	मैं रविवार को घूमने जाता हूँ।
अन्तिम निष्कर्ष क्या निकला?	निष्कर्ष क्या निकला ?

2. अनुपयुक्त शब्दो के कारण वाक्य अशुद्धि

सीता राम की स्त्री थी।(अशुद्ध)

सीता राम की पत्नी थी । (शुद्ध)

बन्दूक एक अस्त्र है । (अशुद्ध)

बन्दुक एक शस्त्र है । (शुद्ध)

कोहिनूर एक अमूल्य हीरा है । (अशुद्ध)

कोहिनूर एक बहुमूल्य हीरा है । (शुद्ध)

तलवार की लोक पर चलना है । (अशुद्ध)

तलवार की धार पर चलना है । (शुद्ध)

उस समस्या की औषधि मेरे पास है । (अशुद्ध)

इस समस्या का समाधान मेंरे पास है । (शुद्ध)

3. लिंग संबंधी वाक्य अशुद्धि

आपका कमीज फट गया है। (अशुद्ध)

आपकी कमीज फट गई है। (शुद्ध)

मुझे व्याकरण अच्छी लगती है। (अशुद्ध)

मुझे व्याकरण अच्छा लगता है। (शुद्ध)

यह एकांकी बहुत अच्छी है। (अशुद्ध)

यह एकांकी बहुत अच्छा है। (शुद्ध)

मेरे मित्र की पत्नी विद्धान है। (अशुद्ध)

मेरे मित्र की पत्नी विदुशी है। (शुद्ध)

मीरा एक प्रसिद्ध कवि थी। (अशुद्ध)

मीरा एक प्रसिद्ध कवयित्री थी। (शुद्ध)

माताजी आप क्या कर रहे है। (अशुद्ध)

माताजी आप क्या कर रही है। (शुद्ध)

4. वचन संबंधी वाक्य अशुद्धि

यह मेरा ही हस्ताक्षर है। (अशुद्ध)

ये मेरे ही हस्ताक्षर है। (शुद्ध)

यहाँ सभी वर्ग के लोग रहते है। (अशुद्ध)

यहाँ सभी वर्गो के लोग रहते है। (शुद्ध)

अभी तो दस बजा है। (अशुद्ध)

अभी तो दस बजे है। (शुद्ध)

भ्रमर पुष्पों के परागो को चूसता है। (अशुद्ध)

भ्रमर पुष्पों के पराग चूसता है। (शुद्ध)

5. कम भंग संबंधी वाक्य अशुद्धि

यहाँ पर शुद्ध गाय का दूध मिलता हैं। (अशुद्ध)

यहाँ पर गाय का शुद्ध दूध मिलता है। (शुद्ध)

बच्चे को काटकर फल खिलाओ। (अशुद्ध)

बच्चे को फल काटकर खिलाओ। (शुद्ध)

ममता के गले में एक मोतियों का हार है। (अशुद्ध)

ममता के गले में मोतियों का एक हार है। (शुद्ध)

तुम बाजार जाओ तो एक फूलो की माला भी लेते आना। (अशुद्ध)

तुम बाजार जाओ तो फूलो की एक माला भी लेते आना। (शुद्ध)

6. कारक संबंधी वाक्य अशुद्धि

बन्दर पेड़ में बैठे है। (अशुद्ध)

बन्दर पेड़ पर बैठे है। (शुद्ध)

11 बजने को 40 मिनट है। (अशुद्ध)

11 बजने में 40 मिनट है। (शुद्ध)

गुरुजी के ऊपर श्रद्धा रखे। (अशुद्ध)

गुरुजी के प्रति श्रद्धा रखो। (शुद्ध)

पुजारी जी ने भक्तो के लिए भजन सुनाया। (अशुद्ध)

पुजारी जी ने भक्तो को भजन सुनाया। (शुद्ध)

आज बजट के ऊपर बहस होगी। (अशुद्ध)

आज बजट पर बहस होगी। (शुद्ध)

7. सर्वनाम संबंधी वाक्य अशुद्धि

तुम तुम्हारा काम करो। (अशुद्ध)

तुम अपना काम करो। (शुद्ध)

यह काम तेरे से नही होगा। (अशुद्ध)

यह काम तुझसे नही होगा। (शुद्ध)

यह मेंरे दादाजी है। (अशुद्ध)

ये मेंरे दादाजी है। (शुद्ध)

दूध मे कौन गिर गया है ? (अशुद्ध)

दूध में क्या गिर गया है ? (शुद्ध)

तू बडा हो गया तुम्हारी शादी करवा दूँ

तु बडा हो गया है तेरी शादी करवा दू

8. क्रिया संबंधी वाक्य अशुद्धि

वहाँ कौन – कौन आया था ? (अशुद्ध)

वहाँ कौन – कौन आये थे ? (शुद्ध)

वास्को–डी–गामा ने भारत का आविश्कार किया। (अशुद्ध)

वास्को–डी–गामा ने भारत की खोज की। (शुद्ध)

मैने तुम्हारी बहुत प्रतीक्षा देखी। (अशुद्ध)

मैने तुम्हारी बहुत प्रतीक्षा की है। (शुद्ध)

9. मुहावरे संबंधी वाक्य अशुद्धि

पानी पीकर नाम पूछना। (अशुद्ध)

पानी पीकर जात पूछना। (शुद्ध)

चोर दुम दबाकर चला गया। (अशुद्ध)

चोर दुम दबाकर भाग गया। (शुद्ध)

युग्म शब्द – दुम – पूँछ – द्रुम – वृक्ष

प्रधानमंत्री ने देश का धुँआ दार दौरा किया। (अशुद्ध)

प्रधानमंत्री ने देश का तूफानी दौरा किया। (शुद्ध)

दुश्मनो ने हथियार रख दिए। (अशुद्ध)

दुश्मनों ने हथियार डाल दिए। (शुद्ध)

10. संयोजन शब्द संबंधी वाक्य अशुद्धि

तुम जहाँ भी जाओ उस जगह मुझे भी ले चलो। (अशुद्ध)

तुम जहाँ भी जाओ वहाँ मुझे भी ले चलो। (शुद्ध)

मै ज्यों ही विद्यालय पहुँचा वैसे ही घण्टी बज गई। (अशुद्ध)

मै ज्यों ही विद्यालय पहुँचा त्यों ही घण्टी बज गई। (शुद्ध)

जब राम ने लंका में प्रवेश किया तो बन्दरो ने बहुत आनन्द मनाया। (अशुद्ध)

जब राम ने लंका में प्रवेश किया तब बन्दरों ने बहुत आनन्द मनाया। (शुद्ध)

11. विराम चिह्न संबंधी अशुद्धियाँ

अरे तुम कब आये। (अशुद्ध)

अरे ! तुम कब आये। (शुद्ध)

तुलसीदास ने रामचरित्र मानस् की रचना की। (अशुद्ध)

तुलसीदास ने 'रामचरितमानस' की रचना की। (शुद्ध)

तुम्हारा क्या नाम है। (अशुद्ध)

तुम्हारा क्या नाम है ? (शुद्ध)

12. विशेषण सबंधी वाक्य अशुद्धि

ईडन एक लम्बा मैदान है। (अशुद्ध)

ईडन एक विशाल मैदान है। (शुद्ध)

गंगा नदी का पाट बहुत लम्बा है। (अशुद्ध)

गंगा नदी का पाट बहुत चौडा है। (शुद्ध)
राम का कद मोहन से बडा है। (अशुद्ध)
राम का कद मोहन से लम्बा है। (शुद्ध)

13. वर्तनी संबंधी अशुद्धि

कब्बडी मे काका का क्या काम। (अशुद्ध)
कबड्डी मे काका का क्या काम। (शुद्ध)
पढने मे आलस्यता ठीक नही। (अशुद्ध)
पढने मे आलस्य ठीक नही। (शुद्ध)
निरपराधी का सजा नही मिलनी चाहिए। (अशुद्धि)
निरपराध को सजा नही मिलनी चाहिए। (शुद्धि)
पूजनीय पिताजी आ रहे है। (अशुद्ध)
पिताजी आ रहे है। (शुद्ध)
मै आपके उज्जवल भविष्य की कामना करता हुँ। (अशुद्धि)
मै आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ। (शुद्धि)

Toppersnotes Unleash the topper in you

35 CHAPTER

NOUN (संज्ञा)

- किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान, गुण, कार्य या अवस्था के नाम को Noun कहते है ।
- यह पाँच प्रकार की होती है –
  1. **Proper Noun** (व्यक्तिवाचक संज्ञा) – जब व्यक्ति, वस्तु या स्थान के नाम का बोध हो ।
     Eg:- Ram, Delhi, Gita etc.
  2. **Common Noun** (जातिवाचक संज्ञा) – जब एक वर्ग अथवा जाति के व्यक्ति या वस्तु का बोध हो ।
     Eg:- King, Boy, City, Girl etc.
  3. **Collective Noun** (समूहवाचक संज्ञा) – जब समूह का बोध हो है ।
     Eg:- Team, Herd, Committee, Army etc.
  4. **Material Noun** (द्रव्यवाचक संज्ञा) – जब ऐसे पदार्थ का बोध हो जिससे दूसरी वस्तुएं बनायी जा सके ।
     Eg:- Gold, Silver, iron, wood etc.
  5. **Abstract Noun** (भाववाचक संज्ञा) – जब ऐसे गुण, भाव, क्रिया एवं अवस्था का बोध हो जिन्हे देखा व छुआ नहीं जा सके, केवल महसूस किया जा सकता है ।
     Eg:- Honesty, Virtue, Kindness, Jealous etc.

Important Point

1. कुछ Noun ऐसे होते है जो देखने में Plural लगते है, परंतु अर्थ में Singular होते है ।
   Such as - Civics, Mathematics, Ethics, Politics, Economics, Mumps, Billiards, Athletics etc.
   Eg:- Civics is a good subject.
2. कुछ Noun देखने में singular लगते है, लेकिन अर्थ में Plural होते है ।
   Such as - Cattle, Gentry, Peasantry (किसानी), Poultry (मुर्गीफॉर्म), Clergy (पादरी लोग) etc.
   Eg:- Cattle are grazing in the field.
3. कुछ शब्द जैसे– Committee, Audience, Police, team, mob (भीड) देखने में Singular लगते है but अर्थ में Plural होते है ।
4. कुछ Noun का Use Singular form में किया जाता है, ये Uncountable Noun होते है ।
   Such as - Scenery, Furniture, information, advice, poetry, luggage, luck, language, business, knowledge, money, Jewelry.
   Eg:- He gave me information's (information).
   I like Shakespeare's poetries (Poetry).
5. कुछ Noun Singular व Plural दोनों में Use होते है।
   Such as –
   Dear, Fish, Crew, Family, team, counsel (परामर्श)
6. यदि किसी Noun से पूर्व Preposition आता है तो वह Singular noun होता है ।
   Eg:- Ship after ship is coming.
7. कुछ noun ऐसे होते है जिनमें 'S' लगाने से उनका अर्थ बदल जाता है ।
   Such as -
   Water – Waters (समुद्र)
   People – Peoples (बहुत से राष्ट्र के लोग)
   Iron – irons (बेडिया)
   Physic (दवा) – Physics (भौतिकी)
   Eg:- your physics is (are) poor.
8. Dozen (दर्जन), Gross, score, hundred, thousand, Million (10 Lac), Billion (100 Lac), Weight, stone, pair, units में एक जैसा प्रयोग होता है अर्थात् Singular or Plural दोनो में प्रयोग होता है ।
   Eg:- I have bought two dozens (Dozen) pencils.
   I have bought dozens of Bananas.

Unleash the topper in you

9. 'ICS' ending noun के पहले 'The' अथवा possessive, adjective, my, your, our का प्रयोग होने पर इनका अर्थ बदल जाता है अतः ये plural noun के रूप में बदल जाते है ।

Eg.:- My mathematics are not very good.

10. (i) Cloths – बिना सिले हुए
Clothes – सिले हुए

(ii) Cost - कीमत
Price – कीमत

- Cost का use amount of paid by the shopkeeper के अर्थ में होता है ।
- जबकि price का अर्थ Amount Paid by customer के रूप में होता है ।

Eg :- The price of production of automobile items has gone up. (The cost of)

Eg :- Sometimes buyers (खरीदने वाला) have to pay higher costs for items. (Higher price)

11. 'House' का प्रयोग A building to live in के अर्थ में करते है ।

Eg :- Quarters are homes allotted for a definite period. (×)

Quarters are houses allotted for a definite period. (✓)

12. कुछ Nouns का प्रयोग Plural form में ही होता है । इनके अंतिम में लगे 'S' को हटाकर singular नहीं बनाया जा सकता है ।

Scissors, tongs, pliers, trousers, plants, pajamas, shorts, gallus, Spectacles, binoculars, alms, amends, fireworks, outskirts, particulars etc.

Eg:- All his assets were seized.

Alms are given to the beggars.

13. Hyphenated noun का प्रयोग कभी भी plural noun में नहीं होता है ।

Eg :- He gave me two hundred rupees notes. (×)

He gave me two hundred rupee notes. (✓)

He stays in five stars hotels. (×)

He stays in five star hotels. (✓)

14. Common Gender Nouns

जैसे- teacher, student, child, clerk, advocate, worker, writer, leader, musician etc. dual gender noun होते है । इनके साथ सामान्य तथा he/his/him प्रयोग करते है ।

Eg :- Every leader should perform his duty.

A teacher should perform his duty sincerely.

15. कुछ nouns का प्रयोग लोग बोल-चाल की भाषा में करते है लेकिन वास्तव में उनका प्रयोग करना बिलकुल गलत होता है ।

Eg:-

	गलत प्रयोग	सही प्रयोग
1.	Cousin brother or cousin sister	Cousin
2.	Pickpocketer	Pickpocket
3.	Good name	Name
4.	Big/small blunder	Blunder (blunder का अर्थ होता है बडी भूल। अतः big का प्रयोग गलत है।)
5.	Strong breeze	Strong wind (Breeze हमेशा light एवं gentle होता है।)
6.	Bad dream	Nightmare

Toppers Notes
Unleash the topper in you

16. निम्नलिखित nouns में भी हमें confusion रहता है–

1.	Floor (फर्श)	Ground (जमीन)
2.	skill (सीख कर प्राप्त करते हैं)	Talent Inborn (जन्म से होता है ।)
3.	Envy (ईर्ष्या जो दूसरों की चीजों को देख कर होती है ।)	Jealousy (ईर्ष्या जो अपनी चीजों के खोने के डर से हाती है ।)

17. कुछ nouns के singular एवं plural forms के अर्थ पूर्णतया अलग होते हैं, अतः इनका प्रयोग सावधानीपूर्वक करना चाहिए ।

Eg :-

Singular	Meaning	Plural	Meaning
Air	(हवा)	Airs	(दिखावटी व्यवहार)
Return	(वापसी)	Returns	(आय का हिसाब)
Iron	(लोहा)	Irons	(जंजीरे)
Sand	(रेत)	Sands	(रेगिस्तान)
Wood	(लकडी)	Woods	(जंगल)
Abuse	(दुरूपयोग)	Abuses	(कुरूतियाँ)
Good (adj.)	(अच्छा)	Goods	(सामान)
Water	(पानी)	Waters	(समुद्र)
Work	(काम)	Works	(साहित्य लेख)
Fruit	(फल जैसे सेब इत्यादि)	Fruits	(नतीजा) (मेहनत इत्यादि का)
Wit	(वाक्पटुता)	Wits	(बुद्धिमता)

18. कुछ विदेशी भाषा के Nouns के Plural forms नीचे दिये गए हैं –

Singular	Plural
Agendum (कार्यक्रम)	Agenda
Erratum (छापेखाने की भूल)	Errata
Alumnus (विद्यार्थी)	Alumni
Axis (धुरी)	Axes
Analysis (विश्लेषण)	Analyses
Bacillus (हानिकारक कीटाणु)	Bacilli
bandit (लुटेरा)	Banditti (bandits)
Bacterium (कीटाणु)	Bacteria
Basis (आधार)	Bases
Criterion (कसौटी)	Criteria
Crisis (संकट)	Crises
Datum (जानी हुई बात)	Data
Dictum (सिद्धान्त)	Dicta
Formula (सूत्र)	Formulae/formulas
Memorandum (स्मृतिपत्र)	Memoranda
Sanatorium (स्वास्थ्यवर्द्धक स्थान)	Sanatoria
Phenomenon (घटना)	Phenomena
Thesis (अनुसंधानपूर्ण लेख)	Theses
Medium (माध्यम)	Media
Radius (त्रिज्या)	Radii
oasis (रेगिस्तान की हरी–भरी भूमि)	Oases
Series (क्रम)	Series
species (जाति)	Species
Apparatus (यंत्र)	Apparatus
Terminus (अंत)	Termini
Index (सूची)	Indices
Hypothesis (शर्त/उपकल्पना)	Hypotheses
Parenthesis (निक्षीप्त वाक्य)	Parentheses
Genius (विद्वान, प्रतिभाशाली व्यक्ति)	Genii/Geniuses
Metamorphosis (कायान्तरण)	Metamorphoses
Narcosis (बेहोशी)	Narcoses

Diagnosis (रोगी का निर्णय)	Diagnoses
Album (संग्रह पुस्तक)	Albums
Mausoleum (मकबरा/समाधि)	Mausoleums, Mausolea
Forum (मंच/न्यायालय)	Forums
Premium (किश्त)	Premiums
Museum (संग्रहालय)	Museums
Auditorium (श्रोताकक्ष)	Auditoriums
Aquarium (जल-जीवशाला)	Aquariums/Aquaria
Curriculum (पाठ्यक्रम)	Curriculums/Curricula
Stadium (स्टेडियम)	Stadiums
Harmonium (हारमोनियम)	Harmoniums
Gymnasium (व्यायामशाला)	Gymnasiums
Asylum (आश्रम)	Asylums

Some Important Collective Noun -

बाल का समूह	-	Turp of hair
गुथे बालों का समूह	-	Shock of hair
स्त्रोताओं की मण्डली	-	An assembly of listeners
न्यायाधीशो की मण्डली	-	A bench of Judges
कूडे-कचरे का ढेर	-	heap of rubbish
मुर्गी के बच्चों का समूह	-	flock of chickens
सोने का ढेर	-	hoard of gold
राज्यों का संगठन	-	league of states
अनाजों का ढेर	-	A sheaf of corn
हथियारों का ढेर	-	Piles of arms
अध्ययन का पाठ्यक्रम	-	A syllabus of studies
सैनिकों का समूह	-	Regiment of soldiers
दीमकों का झुंड	-	A colony of termites

Collection of people -

A brigade of cavalry.	(घुडसवार सैनिकों का दल)	A contingent of boy scouts.	(स्काऊट के लडकों का दल)
A brigade of infantry.	(पैदल सैनिकों का दल)	A corporation of people.	(लोगों की मंडली)
A brigade of artillery.	(आग्नेयास्त्र चलाने वाले सैनिकों का दल)	A corps of volunteers.	(स्वयंसेवकों का समूह)
A batch of pupils.	(शिष्यों का समूह)	A multitude of people.	(लोगों की भीड)
An assembly of representatives.	(प्रतिनिधियों की मंडली)	A muster of troops.	(सैनिकों का दल)
A caravan of pilgrims.	(तीर्थयात्रियों का काफिला)	A panel of judges.	(न्यायाधीशों का समुदाय)
A caravan of merchants.	(व्यापारियों का कारवाँ)	A panel of jurymen.	(अभिनिर्णायकों का समूह)

A bench of judges.	(न्यायाधीशों की मंडली)	A pack of fools.	(मूर्खों का झुंड)
A circle of friends.	(मित्रों की मंडली)	A pack of knaves.	(धूर्तो/पापियों/दुष्टों का झुंड)
A circle of acquaintances.	(परिचितों की मंडली)	A platoon of musketeers.	(बंदूक लिये हुए फौजियों का दल)
A clique of schemers.	(उपाय रचने वालों की मंडली)	A posse of policemen.	(सिपाहियों का सशक्त दल)
A colony of people.	(लोगों की नई बस्ती)	A procession of people.	(लोगों का जुलूस)
A company of actors.	(अभिनेताओं की मंडली)	A queue of people.	(लोगों की कतार/पंक्ति)
A company	A company	A senate of councilors.	(सभासदों की समिति)
of merchants.	of merchants.	A senate of university members.	(विश्वविद्यालय के सदस्यों की समिति)
(व्यापारियों की मंडली)	(व्यापारियों की मंडली)	A squad of soldiers drilling.	(ड्रील करने वाले सैनिकों का झुंड)
A concourse	A concourse	A staff of officials.	(अधिकारियों का समूह)
of people.	of people.	A staff of servants.	(नौकरों का समूह)
(लोगो का समूह)	(लोगो का समूह)	A stream of visitors.	(अभ्यागतों/भेंट करने वालों का समूह)
A conference of preachers.	A conference of preachers.	A string for coolies.	(कुलियों की पंक्ति)
A congress of delegates.	(प्रतिनिधियों की सभा)	A school of thinkers.	(विचारको का झुंड)
A contingent of army personnels.	(थल सैनिकों का दल)	A school of learned men.	(विद्वानों का समूह)

Collection of animals, birds and insects -

A troop of lions.	(शेरों का झुंड)	A swarm of flies.	(मक्खियों का झुंड)
A troop of monkeys.	(बंदरों का झुंड)	A swarm of bees.	(मधुमक्खियों का झुंड)
A train of donkeys.	(गधों का समूह)	A swarm of locusts.	(टिड्डों का झुंड)
A team of horses.	(घोडों का समूह)	A stud of ponies.	(छोटे घोडों का झुंड)
A team of oxen.	(बैलों का झुंड)	A stud of horses.	(घोडों का झुंड)

Some Important Abstract Noun

Adjective	Abstract Noun	Verb	Abstract Noun
Able	Ability	Belong	Belongings
Brief	Brevity	Allow	Allowance
Careful	Carefulness	Accede	Access
Capable	Capability	Admit	Admission
Efficient	Efficiency	Attend	Attendance
Faithful	Faithfulness	Choose	Choice
Hard	Hardship	Carry	Carriage

Excellent	Excellence	Consume	Consumption
Curious	Curiosity	Deceive	Deceit
Careless	Carelessness	Practice	Practice
Busy	Business	Behave	Behavior
Active	Activity	Arrive	Arrival

Words Denoting Group -

Lions	-	Pride (Female), Coalition (male)
Dogs	-	Kennel, Pack (आवारा, शिकारी कुत्तें)
Trees	-	Woodland, Grove (बडे वृक्षों, छोटे पौधों)
Tigers	-	Ambush, Streak
Ships	-	Fleet, Armada (Normal ships, war ships)
Sheep's	-	Flock, Herd, Mob
Fish	-	School, Shoal (बहुत सारे shoal एक line में आ जाये)
Magicians	-	Wizard, Warlock (+ve effects, -ve effects)
People	-	Crowd, Mob (disarrange group, अव्य भीड)
Puppy	-	Litter of puppies

Noun and Gender -

Gender

Masculine	–	Poet, horse, fox
Feminine	–	Poetess/ Mare/ Vixen
Neuter	–	Chair, Pen
Common	–	Friend/ Student

Masculine	**Feminine**
Tutor (नीति शिक्षक)	Governess (नीति शिक्षिका)
Nephew (भतीजा)	Niece (भतीजी)
Groom (दुल्हा)	Bride (दुल्हन)
Wizard (जादूगर)	Witch (जादुगरनी)
Lover (प्रेमी)	Beloved (प्रेमिका)
Lord (स्वामी)	Lady
Gander (हंस)	Goose (हंसीनी)

- कुछ शब्दों को Feminine मानते है अतः इनके साथ Pronoun Her, Hers, She या herself लगाते है। **Such as** - The moon, The earth, Nature, Spring, Virtue, Charity, mercy, peace, ship, river, nation, fame, city, liberty.

  Eg :- The moon shed its (her) light on the bank.
  Love virtue it (she) is alone free.

- The Sun, time, death, wind, Summer, thunder, Ocean, love, war, wine को masculine माना जाता है । इनके साथ He, his, him, himself का Use करते है।

  Eg :- Death lays her (his) icy hand or king.

- Everything, something, anything, nothing, indefinite pronoun है, ये neuter gender को प्रकट करते है ।

  Eg :- Everything should be kept in his (✗) /its (✓) order.

  This is Mohan's Pen. (यह मोहन का पेन है ।)
  This is the door of the house. (यह घर का दरवाजा है ।)
  This is Girl's college. (यह लडकियों का विद्यालय है ।)

- यदि दो noun and से जुडे हो तो उनके बीच close relation ना हो तो दोनों nouns के (अलग–अलग अधिकार के अर्थ में) साथ Apostrophe's का प्रयोग करते है।

  Eg:- Mohan's and Sohan's house. (मोहन का घर और सोहन का घर ।)

Note : - यदि सम्मिलित अधिकार की बात है तो last noun के साथ Apostrophe's लगाते है ।

Eg:- Mohan and Sohan's house.